कोटद्वार,गुरूवार
22 मई 2024
वर्ष: 46
अंक: 31 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार
www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

स्वाति मालीवाल केस की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने बनाई एसआईटी

नई दिल्ली ,आप से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से सीएम हाउस में मारपीट मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस ने एसआईटी गठित किया है। इस मामले की अब तक जांच कर रही उत्तरी जिले की एडिशनल डीसीपी अंजिथा चिपियला ही एसआईटी की अगुवाई करेंगी। एसआईटी में अंजिथा के अलावा तीन इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। इनमें सिविल लाइन थाने के एसएचओ भी हैं, जहां केस दर्ज है। एसआईटी की टीम समय–समय पर जांच रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को देगी।

बता दें कि एसआईटी इस मामले में हर लिंक को जोडऩे की कोशिश करेगी। सबसे पहले पुलिस विभव के मोबाइल डेटा को रिट्रीव करने की कोशिश में है। वहीं, पुलिस ने रविवार शाम को सीसीटीवी का डीवीआर जब्त किया था। इसके जरिए उसकी कोशिश हैं कि वो सीसीटीवी के ब्लैंक पार्ट को निकाल सकेगी। इससे पहले पुलिस ने मालीवाल से मारपीट के आरोपी को विभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस बाद में विभव को सीएम हाउस भी लेकर गई थी, जहां सीन रीक्रिएट किया गया। पुलिस विभव को उस ड्राइंग रूम में भी लेकर पहुंची, जहां मालीवाल से मारपीट का आरोप है।

गैंगरेप कर बच्ची को जिंदा जलाने वाले दो भाइयों को कोर्ट ने सुनाई सजा–ए–मौत

जयपुर ,पॉक्सो कोर्ट ने सोमवार को भीलवाड़ा सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले में दो भाइयों को मौत की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम मानते हुए शनिवार को दो भाई कालू और कान्हा को दोषी ठहराया था और सात अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने फैसला सोमवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद मृतका के माता–पिता ने कहा, हमें न्याय मिला। जिन सात आरोपियों को बरी किया गया, उनमें दोषियों की मां, बहन और पत्नियां शामिल हैं। अभियोजन पक्ष ने 43 गवाहों को पेश किया। इनमें से 42 ने साक्ष्य का समर्थन किया।विशेष लोक अभियोजक महावीर किसनावत ने कहा, मामले में 473 पन्नों की चार्जशीट दायर की गई थी और 10 महीनों से सुनवाई चल रही थी। जांच तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर बिश्नोई द्वारा की गई थी और एडीजी (अपराध) दिनेश एमएन और अजमेर रेंज आईजी लता मनोज ने मामले की निगरानी की थी। पिछले साल दो अगस्त को अपने खेत में बकरियां चराने गई गिरडिय़ा पंचायत की एक नाबालिग लडक़ी के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसे कोयले की भट्टी में जिंदा जला दिया गया था।

शराब घोटाले में मनीष सिसोदिया को फिर बड़ा झटका, कोर्ट ने 31 मई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली ,दिल्ली हाईकोर्ट आज सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुनाने वाला है उससे पहले ही उन्हें बड़ा झटका लगा है। शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट ने सिसोयदिया की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी है। उनके साथ–साथ एक अन्य आरोपी की भी न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी गई है। कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 31 मई को करेगा। मनीष सियोदिया की हिरासत की अवधि आज खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था जहां कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत को और 21 दिनों के लिए बढ़ा दिया।

बता दें कि शराब घोटाले में सिसोदिया को सबसे पहले सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ये गिरफ्तारी पिछले साल यानी 26 फरवरी 2023 को हुई थी। इसके अगले ही महीने यानी 9 मार्च को इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले ईडी ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी ने सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। जमानत के लिए सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अर्जी लगाई, लेकिन उनकी याचिका लगातार खारिज होती गई। 26 फरवरी को गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें पांच दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया।

मुख्यमंत्री ने की चार धाम यात्रा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति व वनाग्नि रोकथाम प्रबंधन की समीक्षा

- अधिकारियों को दिये हर समय सतर्क रहने के निर्देश।
- चार धाम तीर्थयात्री सुखद संदेश लेकर जाएं इसके हो प्रयास।

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सांय सचिवालय में प्रदेश में संचालित चार धाम यात्रा, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्थाओं के साथ ही वनाग्नि की रोकथाम हेतु किये जा रहे प्रबंधन की मुख्य सचिव के सहित अन्य उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हर समय सतर्क रहने के निर्देश देते हुए कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं से जुडे अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय बनाते हुए तीर्थ यात्रियों की यात्रा सुखद एवं सुरक्षित बनाये जाने के प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा कि देवभूमि में आने वाले श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा राज्य की आर्थिकी से भी जुड़ी है। जिस तेजी से चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हो रही है, हम सबका दायित्व है कि यात्रा को सुगम और सरल बनाने में सभी मिलकर सहयोगी बनें। व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों से जुड़े सभी जनपद यात्रा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री ने शासन और पुलिस के अधिकारियों को पुनः निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा से सबंधित जो भी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन से अनुरोध किया जाता है, उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। चारधाम यात्रा के लिए भीड़ प्रबंधन का विशेष ध्यान रखे जाने के साथ यह सुनिश्चित किया जाए कि चारों धामों में श्रद्धालुओं की जो संख्या निर्धारित की गई है, उसके अनुसार ही श्रद्धालुओं को भेजा जाए। बिना रजिस्ट्रेशन के जो श्रद्धालु उत्तराखण्ड की सीमा के अन्दर प्रवेश कर चुके हैं, वे चारों धामों के अलावा राज्य के अन्य धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों के लिए जाना चाहते हैं, तो उन्हें वहां भेजे जाने के भी प्रयास किये जाएं। उन्होंने कहा सभी अधिकारी ग्राउंड में जाकर श्रद्धालुओ से फीडबैक भी लें ताकि समय रहते छोटी कमियों को भी दूर किया जाए । मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। चारधाम यात्रा में भी पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। पेयजल से जुड़े विभागों के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में जाकर पेयजल व्यवस्थाओं को देखें। जिन क्षेत्रों में पेयजल की कमी है, टैंकरों और अन्य माध्यमों से पेयजल व्यवस्था की जाए।

भाजपा सरकार ही राष्ट्र हित में ले सकती है कड़े फैसले: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मंगलवार को कैथल में कुरुक्षेत्र संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल के पक्ष में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में कहा कि भाजपा सरकार की राष्ट्रहित में कड़े फैसले ले सकती है। कहा कि यह चुनाव विकासवाद, राष्ट्रवाद बनाम परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार के बीच है।

उन्होंने कहा कि कुरूक्षेत्र में डबल इंजन की सरकार में तेजी से काम हुए। कुरूक्षेत्र की भूमि महाभारत के युद्ध की भूमि रही है। उस समय पांडवों और कौरवों के बीच में युद्ध हुआ था। वर्तमान समय में भी भारत में धर्म युद्ध चल रहा है एक ओर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस पार्टी एवं अन्य विपक्षी पार्टियां हैं तो दूसरी ओर अकेले धर्म ध्वजा लिए हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चल रहे हैं। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानकर विकसित भारत के संकल्प के लिए दिन–रात काम कर रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद मोदी के नेतृत्व में हर सेक्टर में विशेष कार्य योजना बनाकर काम किया गया है।

सरकारी योजना के नाम पर 15 हजार रिश्वत लेता वन दरोगा गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : योजना का लाभ दिलवाने के नाम पर 15 हजार रुपये रिश्वत लेने वाले वन दरोगा को विजलेंस की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामले में शिकायतकर्ता की ओर से सतर्क अधिष्ठान के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज की गई थी। आरोपी वन दरोगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

सर्तक अधिष्ठान के टोल फ्री नंबर पर शिकायतकर्ता ने बताया था कि कि दो मार्च को पौठाणी पौड़ी गढ़वाल में वन पंचायत पाबो की सभा हुई थी। जिसमें वन पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांव को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मुर्गी, बकरी पालन सहित अन्य विभागीय अनुदान दिए जाने की बात कही गई थी। शिकायतकर्ता ने योजना के लाभ के लिए वन विभाग में आवेदन किया था। जिसके बाद विभाग ने स्वजरोजागर के लिए पचास हजार रूपये उनके खाते में डाले। बताया कि रकम मिलने के बाद वन विभाग चाकीसैंण सैक्सन पाबौ रेंज पौड़ में तैनात वन दरोगा हंस राज पंत उनसे फार्म भरवाने व विभागीय अनुदान पास करवाने के एवज में रिश्वत मांगने लगा। लेकिन, वह वन दरोगा को रिश्वत नहीं देना चाहते थे। शिकायत के बाद सतर्कता अधिष्ठान सैक्टर देहरादून की ओर से गोपनीय जांच की गई। जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा वन दरोगा पर लगाए गए सभी आरोप सही पाए गए। टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए मंगलवार को वन दरोगा हंस राज पंत को पैठाणी बाजार से 15 हजार रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

सीएम केजरीवाल का बड़ा दावा, बोले— 4 जून को बनने जा रही है इंडिया गठबंधन की सरकार

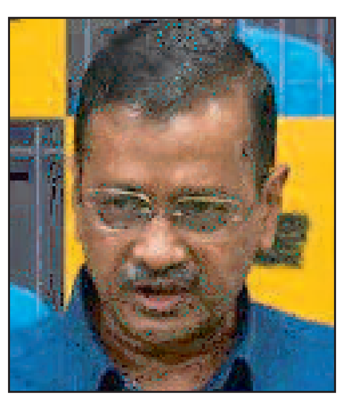

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि 4 जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। केजरीवाल के मुताबिक इंडिया गठबंधन को अकेले अपने दम पर ही लोकसभा की 300 सीटें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि इसको लेकर कई सर्वे किए गए हैं। सर्वे के नतीजों के आधार पर वह यह दावा कर रहे हैं।इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल दो व्यक्ति ऐसे हैं जिनके समर्थक भारत की बजाए पाकिस्तान में ज्यादा हैं।इसके जवाब में मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी के समर्थक पाकिस्तानी हैं, यह कहना दिल्ली और देश की जनता को अपमानित करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आम आदमी पार्टी को 70 में से 62 सीटें देकर सरकार बनाई है, क्या दिल्ली के लोग पाकिस्तानी हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, क्या पंजाब के लोग पाकिस्तानी हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी को 14 प्रतिशत वोट मिला था, क्या गुजरात के लोग पाकिस्तानी हैं। उन्होंने कहा कि आप पीएम नहीं बन रहे हैं, केंद्र में बीजेपी की सरकार नहीं आने वाली।

पंजाब में आप को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुए पूर्व एमएलए जगबीर सिंह बराड़

चंडीगढ़ , पंजाब में लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के महत्वपूर्ण नेता रहे पूर्व विधायक जगबीर सिंह बराड़ ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुग और भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की मौजूदगी में जगबीर सिंह बराड़ ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बराड़ एक साल पहले ही शिरोमणि अकाली दल छोडक़र आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। तरूण चुग ने जगबीर सिंह बराड़ का पार्टी में स्वागत करते हुए सिख समाज और पंजाब के लिए मोदी सरकार द्वारा किए गए कामों को गिनाया। वहीं भाजपा में शामिल होने के बाद बराड़ ने पंजाब में भाजपा की मजबूती के लिए काम करने की बात कहते हुए आरोप लगाया कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार राज्य में कोई काम नहीं कर रही है और डबल इंजन की सरकार में ही पंजाब का विकास हो सकता है।

श्री केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं के लिए खुला गर्भगृह

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : कार्यकारी अधिकारी बीकेटीसी आरसी तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्थानीय तीर्थ पुरोहितों एवं मंदिर समिति के आपसी समन्वय के बाद श्री केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया गया है।

उन्होंने बताया कि बीते रोज स्थानीय तीर्थ पुरोहितों द्वारा गर्भगृह को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया था, लेकिन जिला प्रशासन, तीर्थ पुरोहितों एवं मंदिर समिति के आपसी सहमति के बाद मंगलवार प्रातः 4 बजे श्री भगवान केदारनाथ मंदिर का गर्भगृह श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। जिसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में गर्भगृह के दर्शन किए जा रहे हैं।

संपादकीय

कष्टकारी हीट वेव

पहाड़ों से लेकर मैदान तक देश भर में गर्मी का प्रकोप इंसानी जीवन पर भी संकट पैदा करने लगा है। देश के अधिकांश हिस्से हीट वेव से जूझ रहे हैं और लोगों का इस भीषण गर्मी में घर से बाहर निकलना भी दुभर हो चुका है। फिलहाल तो प्रतीक्षा की जा रही है मानसून की दस्तक की, लेकिन अभी इसका इंतजार काफी लंबा है। मौसम वैज्ञानिकों की तरफ से भी फिलहाल मानसून को लेकर कोई बहुत अच्छी खबर नहीं मिल रही है। आने वाले कुछ दिनों तक मैदानी इलाकों में हीट वेव से राहत मिलने के आसार नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार मैदानी इलाकों में अभी कुछ और दिन तेज धूप और सामान्य तापमान में बढ़ोतरी होने से हीट वेव लोगों को परेशान करेगी। सबसे बड़ी चिंता की बात तो यह है कि उत्तराखंड के पहाड़ भी भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं और यहां भी पहाड़ों जैसा सुकून कहीं नजर नहीं आता। देहरादून का तापमान भी पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा है और पर 40 डिग्री के पार तक पहुंच चुका है। सूरज की लगातार तेज हो रही तपिश अब स्वास्थ्य पर भी काफी प्रभाव डालने लगी है और लू चलने के कारण कई लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। इन परिस्थितियों में यह बेहद जरूरी है कि अति आवश्यक कार्य होने पर ही उचित संसाधनों एवं सावधानी के साथ बाहर निकलना चाहिए ताकि हीट वेव से खुद को बचाया जा सके। उत्तराखंड का बिगड़ा हुआ मौसम का मिजाज एक बड़े चिंता का कारण है क्योंकि मैदाने की तो बात छोड़िए पहाड़ो तक में किस प्रकार से तापमान उछालें भर रहा है वह भविष्य के लिए भी एक खतरे का संकेत है। हालांकि भीषण गर्मी के बीच उत्तराखंड के कुछ क्षेत्रों में बारिश भी देखने को मिल रही है लेकिन इसका कोई खास असर मैदानी क्षेत्र में पड़ता हुआ नजर नहीं आ रहा है। ग्रीष्म काल के दौरान बढ़ते पारे के साथ मिजाज बदलने वाला देहरादून भी अब अपने पुराने स्वरूप को खो चुका है। हालत यह है कि राजधानी देहरादून में ही अधिकतम तापमान पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 41 डिग्री तक पहुंच चुका है तो फिर कल्पना की जा सकती है कि मैदानी क्षेत्रों में लोग किस प्रकार से जीवन यापन कर रहे होंगे। चार धाम यात्रियों पर भी सूरज की तपिश सितम भरी गुजर रही है। पर्यावरण विज्ञानियों का मानना है कि नगरों के अनियोजित विकास और वृक्षों की बड़ी संख्या में कटाई होने का परिणाम अब इस भीषण गर्मी के तौर पर उत्तराखंड में देखने को मिल रहा है। पर्यावरण प्रेमियों की यह चिंता व्यर्थ नहीं है। उदाहरण के तौर पर देहरादून पर ही नजर डालें तो यहां पिछले 20 वर्षों में पर्यावरण में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिला है और जिस गति से यहां वृक्षों को जमींदोज किया गया उसका परिणाम कहीं ना कहीं तो देखने को मिलेगा ही। वर्तमान परिस्थितियों यह बताने के लिए काफी है कि यदि इसी लीक पर चलते रहे तो भविष्य और कष्टकारी साबित होने वाला है।

लू से जिंदगी की जंग हार जाते हैं डेढ़ लाख से अधिक लोग

—डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रेल में रेकार्ड की गई है। प.बंगाल में 2015 के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणामस्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है। दरअसल यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड–पौधों के जंगलों के जगह लोह कंक्रीट के खड़े होते जंगल, जनसंख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है।

बात भले ही अजीब लगे पर यह सच्चाई है कि लू के थपेड़ों से डेढ़ लाख से अधिक लोग जिंदगी की जंग हार जाते हैं। वैसे तो दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हो रहे हैं, पर भारत, रुस और चीन इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। प्रकृति का अत्याधिक और अंधाधुंध दोहन का परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि धरती के बढ़ते तापमान से दुनिया के देश चिंतित ना हो या इससे बेखबर हो पर इसे संतुलित करने के प्रयासों में जो लक्ष्य हासिल किया जाना था वह अभी दूर की कोड़ी ही सिद्ध हो रहा है। हालात बेहद चिंतनीय और गंभीर है। भारत के साथ–साथ ही दुनिया के देश अब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से दो चार होने लगे हैं। बेमौसम बरसात, तेज गर्मी, तेज सर्दी, आए दिन तूफानों का सिलसिला, भू–स्खलन, सुनामी, ग्लेसियरों से बर्फ का तेजी से पिघलना, भूकंपन, जंगलों में आए दिन दावानल और ना जाने क्या–क्या दुष्परिणाम सामने आते जा रहे हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि मौसम के समय व अवधि में भी तेजी से बदलाव होता जा रहा है। कब बरसात आ जाएं तो कब तेज गर्मी और कब सर्दी के तेवर तेज या कम हो जाते हैं यह पता ही नहीं चल रहा है। सबसे चिंतनीय बात यह है कि हीटवेव की चपेट में आने से लोगों की मौतों में तेजी से इजाफा होने लगा है। देखा जाए तो यह हीटवेव मौत का कारण बनने लगी है।

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में केवल लू के थपेड़ों की लपेट में आने से एक लाख 54 हजार से अधिक व्यक्ति अपनी जान गंवा देते हैं। प्रति दस लाख में से 236 व्यक्तियों की मौत हीटवेव के कारण हो रही है। रिपोर्ट की माने तो इनमें से हर पांचवां जान गंवाने वाला व्यक्ति भारतीय है।

यह अपने आप में चिंतनीय और गंभीर है। यह अध्ययन भी 43 देशों के 750 स्थानों के तापमान के अध्ययन के आधार पर है। अध्ययन कर्ताओं के अनुसार पिछले 30 सालों में हीटवेव के कारण मौत के आंकड़ें में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रेल में रेकार्ड की गई है। प.बंगाल में 2015 के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणामस्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है। दरअसल यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड–पौधों के जंगलों के जगह लोह कंक्रीट के खड़े होते जंगल, जनसंख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है।

दुर्भाग्यजनक हालात यह है कि जिस उत्पाद को हम आज उपादेय बता रहे हैं एक समय बाद वहीं उत्पाद से होने वाले नुकसान गिनाने लगते हैं। दूसरी और वातावरण की नमी को समाप्त कर तापमान बढ़ाने में इन उत्पादों की खास भूमिका हो रही है। इन सबके साथ ही इंसानी गतिविधियों में बदलाव होने के साथ ही दखल बड़ा है। एक समय था जब बड़े जोर–शोर के साथ पोलिथीन को उतारा गया और आज दुनिया के देश पालिथीन से मुक्ति चाहने लगे है। इसका कारण भी साफ है लोगों को पोलिथीन से होने वाले नुकसान का पता चलने लगा है। आज एसी, फ्रीज, ओवन आदि की घर–घर उपलब्धता आसान हो गई है। अब एसी, फ्रीज या इस तरह के अन्य उत्पाद किस तरह से वातावरण को गर्म कर रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। एक समय थर्मल पॉवर के प्लांट आवश्यकता थी पर आज कोयले की धुंआ के कारण किस तरह से वातावरण दुषित हो रहा है यह समझने लगे हैं। घर में जलने वाले बल्व की बात करें तो सामान्य बल्व से सीफ एल और उसके बाद एलईडी और सोलर का युग आ गया। सवाल कई बार तो ऐसे लगता है जैसे कि मार्केट फोर्सेज भी बहुत कुछ प्रभावित करती है। आज आरओ का सेचुरेशन आ गया तो इसका उपयोग हानिकारक बताया जाने लगा हैं उसी तरह से जापान में ओवन को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया जाने लगा है। ईंधन के जितने भी साधन है वे सभी वातावरण को दूषित करने में आगे हैं। इसी तरह से सुविधाजनक इलक्ट्रोनिक उत्पाद वातावरण को बिगाड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे।

देखा जाए तो प्रकृति के साथ खिलवाड करने का नजीजा सामने आने लगा है। वातावरण दूषित होने के साथ ही कभी सावन बिन बरसात रह जाता है तो कभी अप्रेल मई में भी बरसात के कारण सर्दी से दो चार होना पड़ जाता है। समय आ गया है जब इस समस्या के निराकरण के लिए विशेषज्ञों को खासतौर से ध्यान देना होगा नहीं तो हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जाएंगे। इसे भले ही चेतावनी समझा जाएं या कुछ और पर सब कुछ शीशे की तरह साफ है। अब समय आ गया है कि धरती के बढ़ते तापमान के स्तर को कम करने के उपायों पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं।

विकसित हो शोध की मौलिक संस्कृति

—डॉ. अरुणा व्यास

कुछ समय पहले मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और राजस्थान के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के विश्वविद्यालयों में नए एवं उभरते क्षेत्रों में शोध एवं अनुसंधान क्षेत्र में कार्य करने के एक विशेष अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्सव का आयोजन किया गया था। उद्देश्य यह था कि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और मिशनों से जुड़े संभावित उच्च प्रभाव, अंतः विषयक अनुसंधान के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जा सके। इस उत्सव के अंतर्गत तकनीकी दृष्टि से स्टार्ट–अप और रोजगार क्षेत्रों में तो कुछ नया कार्य हुआ भी है, परन्तु वैचारिक लिहाज से विश्वविद्यालयों में अभी भी शोध की मौलिक परम्पराओं पर बहुत अधिक कार्य हो नहीं पाया है। रोजगारोन्मुखी शिक्षा के साथ कौशल विकास के प्रयास जरूरी है परन्तु इतना ही जरूरी यह भी है कि शोध की मौलिक संस्कृति से जुड़ा पर्यावरण हमारे यहां विकसित किया जाए। कोई राष्ट्र आर्थिक रूप से सुदृढ़ तभी होगा जब वहां विचारों की मौलिकता के क्षेत्र में निंरतर नया कार्य हो। यह समय सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का है। जिस गति से नवीनतम क्षेत्रों में कार्य हो रहा है, यह जरूरी है कि शिक्षण संस्थानों में अब केवल पाठ्यपुस्तकों पर ही विद्यार्थी निर्भर नहीं रहे। वे अपने आपको समय–संदर्भों से युक्त करते हुए नवीनतम क्षेत्रों के साथ अतीत के संदभों से जुड़े रहेंगे तभी व्यावहारिक रूप में भविष्य की चुनौतियों का सामना कर पाएंगें। युगीन संदर्भों में शिक्षा का प्रसार इस प्रकार से हो कि विद्यार्थियों में मौलिक सोचने की शक्ति विकसित हो। समर्थ शिक्षा का मूल आधार यही है कि उससे व्यक्ति रूढ़ियों से मुक्त हो। रूढ़ियों से मुक्ति मौलिक दृष्टि और चिंतन की नवीन सोच ही दे सकती है।शिक्षा असल में सांस्कृतिक प्रक्रिया है। यह शक्ति का स्रोत, समाजीकरण का माध्यम एवं शोषण से मुक्ति का प्रमुख मार्ग है। इसलिए यह आवश्यक है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में शोध की आधुनिक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी हम आगे बढ़ें। हमारे यहां शोध की जो एक परिपाटी बन गई है, वह यह है कि कुछ पुस्तकों को एकत्र कर उनसे एक और पुस्तक तैयार कर उसे शोध ग्रंथ रूप में प्रस्तुत कर दिया जाए। पर सवाल यह है कि इस तरह के शोध से मिलने वाली डिग्री क्या विद्यार्थी को भविष्य में कोई मुकाम दिला सकती है? शोध और अनुसंधान वही उपादेयी होता है जिसमें नवीन किसी विचार या धारणा को पुष्ट किया जाए। यही नहीं, शोध सर्वथा नवीन विषय के साथ समयानुकूल, उपयोगी और मौलिक स्थापना लिए होगा तभी उसका लाभ विद्यार्थी ही नहीं राष्ट्र को भी प्रभावी रूप में मिल सकता है।

जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसमें शोध की मौलिक संभावना नहीं हो। विश्वविद्यालयों में जितने भी विषय पढ़ाए जाते हैं, उनमें चाहे वह प्रबंध हो, विज्ञान हो, मानविकी हो या फिर तकनीकी क्षेत्र सभी के अंतर्गत उसके अपने स्थानीय क्षेत्र, परम्परा और पर्यावरणीय सरोकार होते हैं। उन सरोकारों की गहराई में जाते हुए अपने शोध को भारतीय और वैश्विक संदर्भों से जोड़कर कार्य किया जाता है तो उससे बहुत कुछ नया निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

कभी सुप्रसिद्ध लेखक अनुपम मिश्र ने राजस्थान, बूंदेलखंड, मध्यप्रदेश और अन्य क्षेत्रों की जल–संस्कृति पर बहुत महत्वपूर्ण शोध कर लेखन कार्य किया था। उन्होंने तालाबों के नाम के साथ स्थानों के जुड़े संदर्भों के महत्वपूर्ण तथ्य अपनी बेहद लोकप्रिय रही पुस्तक आज भी खरे हैं तालाब में दिए हैं। कैसे हम किसी एक संदर्भ की गहराई में जाएं तो किस्से–कहानियों का ही नहीं स्थानों से जुड़ी परम्पराओं के भी महती स्रोत हम एकत्र कर सकते हैं, उनकी यह पुस्तक इसका अनुपम उदाहरण है। उन्होंने इसमें एक स्थान पर गांवों के साथ लगे सर नाम को रेखांकित करते हुए लिखा है कि मलकीसर, उदयरामसर, हुसनसर आदि बहुत से गांवों के नाम के साथ सर इसलिए जुड़ा है कि सर का अर्थ तालाब होतरा है। वहां इसकी संस्कृति पोषित हुई है। ऐसे ही तालाबों के निर्माण में रही भामाशाहों की भूमिका, जल–संस्कृति के लिए किए गए कार्यों के लोगों से बातचीत कर, उनसे मिलकर उन्होंने अनूठे संदर्भ अपने लिखे में उजागर किए है। अनुपम मिश्र की पुस्तक कोई शोध ग्रंथ नहीं है पर शोध की संस्कृति कैसी हो, इसे एक तरह से समझाती है।

पेयजल का संकटः पानी बचेगा तभी बचेगा जीवन

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में पेयजल की समस्या दिनों दिन गहराती जा रही है। इसके बावजूद हम पेयजल को बचाने और जल संचय के प्रति क्यों गंभीर नहीं हैं। यह समझ से परे है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 2025 में दुनिया की चौदह फीसदी आबादी के लिए जल संकट एक बहुत बड़ी समस्या बन जाएगा। इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार पूरी दुनिया में आज 270 करोड़ लोग ऐसे हैं जो पूरे एक वर्ष में तकरीबन तीस दिन तक पानी के संकट का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो अगले तीन दशक में पानी का उपभोग यदि एक फीसदी की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को बड़े जल संकट से जूझना पड़ेगा। यह जगजाहिर है कि जल का हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। यह भी कि जल संकट से एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते पैदा हो रहे जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को छह फीसदी का नुकसान उठाना पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर देखें तो पाते हैं कि दुनिया में दो अरब लोगों को यानी 26 फीसदी आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 43.6 करोड़ और भारत में 13.38 करोड़ बच्चों के पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा यानी 73.9 करोड़ बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। इसके अलावा पानी की घटती उपलब्धता, अपर्याप्त पेयजल और स्वच्छता की कमी का बोझ चुनौतियों को और बढ़ा रहा है। दुनिया में वह शीर्ष 10 देश जहां के बच्चे पर्याप्त पानी से महरूम हैं, उसमें भारत शीर्ष पर है जिसके 13.38 फीसदी बच्चे पर्याप्त पानी से महरूम हैं। यूनीसेफ की रिपोर्ट यह भी कहती हैं कि 2050 तक भारत में मौजूद जल का 40 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका होगा। एशिया की 80 फीसदी आबादी खासकर पूर्वोत्तर चीन, पाकिस्तान और भारत इस संकट का भीषण सामना कर रहे हैं। आशंका है कि भारत इसमें सर्वाधिक प्रभावित देश होगा। संयुक्त राष्ट्र ने भी इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शुद्ध पेयजल से जूझने वाली वैश्विक शहरी आबादी 2016 के 93.3 करोड़ से बढ़कर 2050 में 1.7 से 2.4 अरब होने की आशंका है। अगर शीघ्र इसका समाधान नहीं किया गया तो निश्चित तौर पर वैश्विक संकट और भयावह होगा।पेयजल संकट की गंभीरता की ओर ग्लोबल कमीशन आन इकोनामिक्स आफ वाटर की रिपोर्ट संकेत करती हुई कहती है कि 2070 तक 70 करोड़ लोग जल आपदाओं के कारण विस्थापित होने को विवश होंगे। गौरतलब है दुनिया में दो अरब लोग दूषित पानी का सेवन करने को विवश हैं और हर साल जलजनित बीमारियों से लगभग 14 लाख लोग बेमौत मर जाते हैं। दुनिया में बहुतेरे विकसित देशों में लोग नल से सीधे ही साफ पानी पीने में सक्षम हैं। लेकिन हमारे देश में आजादी के 77 साल बाद भी ऐसा मुमकिन नहीं है कि लोग सीधे नल से साफ पानी पी सकें। असलियत में देश के मात्र तीन फीसदी परिवार ऐसे हैं जिनको नल से साफ जल मिल रहा है। यदि सभी को शुद्ध पेयजल मुहैय्या कराना सरकार की मंशा है तो उसे प्राकृतिक जल स्रोतों पर ध्यान देना होगा। इस तथ्य को सरकार भी नजरंदाज नहीं कर सकती कि देश के सभी जलस्रोत संकट में हैं। तालाब, पोखर, जलाशय बेरुखी के चलते बर्बादी के कगार पर हैं। देशभर में मौजूद तकरीब कुल 24,24,540 जल स्रोत हैं। इनमें से 23,55,055 यानी 97 फीसदी जल स्रोत ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। केवल 2.9 फीसदी जल स्रोत शहरी क्षेत्र में हैं। 45.2 फीसदी जल स्रोतों की कभी मरम्मत भी नहीं हुयी। देश में जलस्रोतों की हालत बहुत ही दयनीय है। कहीं वह सूखे हैं, कहीं निर्माण कार्य होने से इस्तेमाल में नहीं हैं, कहीं वह मलबे से भरे पड़े हैं। इनकी बदहाली में सबसे बड़ा कारण उनका सूखना, उनमें सिल्ट जमा होना, मरम्मत के अभाव में टूटते चला जाना अहम है। इसमें दो राय नहीं कि प्राकृतिक जल स्रोतों तथा नदी, तालाब, झील, पोखर, कुओं के प्रति सरकारी और सामाजिक उदासीनता एवं भूजल जैसे प्राकृतिक संसाधनों के अत्याधिक दोहन ने स्वच्छ जल का गंभीर संकट हमारे सामने खड़ा कर दिया है।

गुड बैड अग्ली में तीन अलग–अलग लुक में धमाल मचाने को तैयार अजित कुमार

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विदा मुयार्ची के निर्माण में व्यस्त हैं। बीते कुछ समय पहले अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म गुड बैड अग्ली की जानकारी साझा की थी। अभिनेता अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक अधिक रविचंद्रन के साथ सहयोग कर रहे हैं। वे जल्द ही अपने दूसरे प्रोजेक्ट गुड बैड अग्ली पर काम शुरू करेंगे। अब इस फिल्म से अभिनेता के लुक पर बड़ी जानकारी सामने आई है। निर्माताओं ने कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर और शीर्षक जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया था। प्रशंसक इस परियोजना के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं। वहीं अब फिल्म में अभिनेता के किरदार को लेकर नई जानकारियां सामने आईं। इससे पहले खबर आई थी कि अजित अधिक रविचंद्रन की फिल्म गुड बैड अग्ली में ट्रिपल रोल निभाएंगे। अजित तीन किरदार निभाएंगे, इस पर चर्चा पहले से ही है, लेकिन अब वे तीनों किरदार कैसे होंगे, इसका खुलासा हो चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित फिल्म में तीन अलग–अलग लुक में होंगे। नमक और काली मिर्च वाले लुक के अलावा अजित कथित तौर पर काले बालों के साथ एक युवा लुक में नजर आएंगे और कुछ हिस्सों में वे पोनीटेल के साथ नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने अजित के लिए एक ठोस चरित्र–चित्रण तैयार किया है।मुख्य महिला किरदार के बारे में विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। कुछ दिन पहले अफवाह उड़ी थी कि श्रीलीला इस बड़ी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, लेकिन अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। कहा जा रहा है कि फिल्म का नाम अभिनेता के किरदारों का परिचय देता है। गुड बैड अग्ली अभिनेता के तीन किरदार की झलक है। तीनों किरदारों में खरा उतरने के लिए अभिनेता पूरी मेहनत कर रहे हैं और तैयारी में लगे हुए हैं।

जब माइकल हसी ने पाक के जबड़े से छीन ली थी जीत

नई दिल्ली। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। कई बार इसने यह साबित भी किया है। जब लगता है कि एक टीम जीत रही है तभी दूसरी टीम कुछ ऐसा कर जाती है कि फैंस के मुंह से बरबस ही निकल जाता है, 'क्या मैच है।' ऐसा ही एक मैच हुआ था साल 2010 के टी20 वर्ल्ड के दूसरे सेमीफाइनल में। 2007 की उपविजेता पाकिस्तान के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती थी।

इस मैच में वो हुआ जो किसी ने अंदाजा भी नहीं लगाया था। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान माइकल क्लार्क ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पाकिस्तान की तरफ से ओपनिंग करने आए सलमान बट और कामरान अकमल ने ताबतोड़ बल्लेबाजी की। 6.5 ओवर में दोनों ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंच दिया था। कामरान अकमल ने तेज खेलते हुए 32 में 50 रन जड़ दिए।

विराट कोहली को इस गेंदबाज से खतरा, यशस्वी का रास्ता रोकेगा ये धुरंधर!

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मैच में मात देकर आईपीएल–2024 के प्लेऑफ में जगह बनाई। अब इस टीम का सामना बुधवार को एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स से होना है। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालिफायर–2 खेलेगी और फिर फाइनल में जाएगी। मैच रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है क्योंकि दोनों ही टीमों में दम है।

आरसीबी के पास विराट कोहली, फाफ डू प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं तो वहीं राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन, युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन जैसे धुरंधर हैं। हम आपको उन पांच जोड़ियों के बारे में बताएंगे जिनके बीच इस मैच में रोमांचक जंग देखने को मिल सकती है।

विराट कोहली– युजवेंद्र चहल

विराट कोहली इस सीजन दमदार फॉर्म में हैं। वह इस सीजन दमदार फॉर्म में हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर है। लेकिन कोहली की सबसे बड़ी कमजोरी लेग स्पिनर रहे हैं। इंटरनेशनल स्टेज पर भी कोहली को लेग स्पिन गेंदबाजों ने खासा परेशान किया है। राजस्थान के पास युजवेंद्र चहल जैसा चालाक स्पिनर है जो अपनी फिरकी में कोहली को फंसा सकता है। इसलिए देखना होगा कि इस जंग में बाजी किसके हिस्से आती है।

यशस्वी जायसवाल–मोहम्मद सिराज

राजस्थान रॉयल्स की बल्लेबाजी दमदार है और इसकी एक अहम कड़ी हैं यशस्वी जायसवाल। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज अगर सेट हो गया तो गेंदबाजों की लय बिगाड़ सकता है। आरसीबी के पास इस बल्लेबाज को रोकने के लिए मोहम्मद सिराज जैसा गेंदबाज है। दोनों युवा हैं और आक्रामक खेल खेलते हैं। सिराज शुरुआती ओवरों में जायसवाल को पवेलियन भेजने की कोशिश करेंगे। वहीं जायसवाल शुरुआत में सिराज पर हावी होकर उनकी लय बिगाड़ना चाहेंगे।

शिंदा शिंदा नो पापा में मेरा किरदार पति और बेटे के बीच उलझा हुआ : हिना खान

गिप्पी ग्रेवाल स्टारर फिल्म शिंदा शिंदा नो पापा से पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस हिना खान ने बताया कि फिल्म में उनका रोल ऐसा है जो अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझा हुआ है।

फिल्म में हिना गिप्पी की पत्नी और शिंदा ग्रेवाल की मां का किरदार निभा रही हैं।हिना ने बताया कि फिल्म हर माता–पिता को एक मैसेज देती है कि वे बच्चों को प्यार और सम्मान के साथ कुछ भी सिखा सकते हैं।अपने रोल के बारे में विस्तार से बताते हुए हिना ने बताया, मैं फिल्म में शिंदा की मां निक्की का किरदार निभा रही हूं। निक्की हमेशा अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझी रहती है। उसका मानना है कि बच्चों को उनके माता–पिता प्यार और सम्मान के साथ जीवन की मूल सीख सिखा सकते हैं।एक्ट्रेस ने आगे बताया कि जहां फिल्म में कॉमेडी एलिमेंट मजबूत है, वहीं फिल्म माता–पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते पर भी प्रकाश डालती है, जिसमें एक मोड़ है जो शिंदा (गिप्पी का बेटा) द्वारा लाया जाता है।

उन्होंने कहा, यह फिल्म निश्चित रूप से हंसी का तड़का लगाने वाली है, लेकिन यह दर्शकों को एक बड़ा मैसेज भी देती है। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं जो माता–पिता और बच्चों के परस्पर एक–दूसरे का सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

हिना ने कहा, फिल्म लोगों को प्रेरित करने और उनके दिलों से जुड़ने का एक जरिया है। हमने फिल्म में बस यही किया है। हम आप लोगों को हंसाना चाहते थे, लेकिन साथ ही एक मैसेज भी देना चाहते थे जो इस समय सबसे महत्वपूर्ण है।

राजकुमार राव की श्रीकांत की कमाई में उछाल, 10वें दिन 25 करोड़ के पार हुई कमाई

राजकुमार राव पिछले कई दिनों से अपनी हालिया रिलीज फिल्म श्रीकांत को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल न दिखा रही हो, लेकिन राजकुमार ने अपनी उम्दा अदाकारी से दर्शकों के साथ–साथ समीक्षकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई है।अब श्रीकांत के 10वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं, जिसमें ठीक–ठाक इजाफा देखने को मिला है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने अपनी रिलीज के 10वें दिन यानी रविवार को 4 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 26.10 करोड़ रुपये हो गया है।

एमएस धोनी के चेले की चमकी किस्मत

नई दिल्ली। आईपीएल वो प्लेटफॉर्म है जिसने कई खिलाड़ियों के करियर बनाए हैं। टीम इंडिया में आज जो स्टार देखने को मिलते हैं उनमें से अधिकतर आईपीएल से ही निकले हैं। आईपीएल ने सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के भविष्य को ही बेहतर नहीं किया है बल्कि विदेशी खिलाड़ियों की किस्मत भी चमकाई। इसी का एक जीता–जागता उदाहरण हैं श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज महीषा पथिराना। पथिराना आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं। एमएस धोनी ने उनकी प्रतिभा को पहचाना था और अपने अंडर उन्हें लिया था। धोनी की देख–रेख में पथिराना के खेल में अच्छा निखार आया है और यही कारण है कि अब ये खिलाड़ी पूरी दुनिया में छा चुका है।

बन गया करोड़पति

पथिराना ने हाल ही में आईपीएल–2024 में हिस्सा लिया था। वह चेन्नई की टीम का हिस्सा थे,लेकिन चोट के कारण वह इस सीजन में ज्यादा नहीं खेल पाए। उनके न रहने का असर टीम पर पड़ा। लेकिन आईपीएल से बाहर होने के बाद पथिराना को श्रीलंका प्रीमियर लीग में गजब का फायदा हो गया। उन्हें श्रीलंका प्रीमियर लीग में कोलंबा स्ट्राइकर्स ने खरीदा। पथिराना के लिए फ्रेंचाइजी ने एक करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम अदा की है। कोलंबो ने पथिराना के लिए गॉल मावर्ल्स से लड़ाई लड़ी।

डांबुला की फ्रेंचाइजी ने उनके लिए बोली लगाना शुरू किया था। इसके बाद गॉल फ्रेंचाइजी इसमें कूदी। गॉल ने उनके लिए एक करोड़ की बोली लगाई लेकिन फिर कोलंबो ने राइट टू मैच का इस्तेमाल करते हुए पथिराना को अपने साथ जोड़ लिया।

एक नजर

जिला पंचायत के कर निर्धारण से भड़के व्यापारी

नई टिहरी : होटल कारोबारियों का कहना है कि जिला पंचायत की ओर से क्षेत्र में कोई सुविधा नहीं है। बिना सुविधा दिए हुए करों को लगाया जा रहा है। साल 2020 से कारोबारी लगातार कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिला पंचायत के कर निर्धारण का कोई मानक नहीं है। छोटे-छोटे कारोबारियों पर भी 30 से 40 हजार का कर लगाया गया है। निजी आवासों और होम स्टे पर भी जिला पंचायत ने भारी टैक्स लगाए हैं। जबकि यह सरकार की आम लोगों को रोजगार से जोड़ने की योजना है। लोग इस योजना को ऋण लेकर चला रहे हैं। (एजेंसी)

मेहरवान नेगी बनें एसएमसी अध्यक्ष

रुद्रप्रयाग : ओंकारानंद इंका जखोली में मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से मेहरवान सिंह नेगी को अध्यक्ष और संगीता देवी को कोषाध्यक्ष चुना गया है। मंगलवार को विद्यालय में हुए एसएमसी चुनाव में अन्य पदाधिकारियों में प्रधानाचार्या अमिता नेगी को पदेन सचिव, विनीता देवी को उपाध्यक्ष, महिला सदस्यों में प्रीति देवी, राजेश्वरी देवी, चमनदेई देवी, मंजू देवी, पूर्णी देवी, विनीता देवी, सविता देवी, पुरुष सदस्यों में राजेन्द्र प्रसाद भट्ट व दीपक सिंह गहरवार को निर्विरोध चुना गया है। विद्यालय के प्रबंधक शिक्षाविद ललिता प्रसाद भट्ट ने नई कार्यकारिणी का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए सभी से विद्यालय हित में सहयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में निवर्तमान एसएमसी अध्यक्ष उम्मेद सिंह रौथाण ने नई कार्यकारिणी का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए सभी से विद्यालय हित में सहयोग करने का आग्रह किया है। (एजेंसी)

पंजीकरण कराकर ही चारधाम यात्रा पर आएं : डीजीपी

चमोली : पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा है कि चारधाम यात्रा पर आ रहे यात्रियों को पंजीकरण कराना जरूरी है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि यात्री बगैर पंजीकरण कराए यात्रा पर न निकले। मंगलवार को डीजीपी अभिनव कुमार बदरीनाथ में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक पुख्ता बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके के कार्य करने की बात भी कही। (एजेंसी)

घोड़ा खच्चर संचालकों ने लगाया सौतेले व्यवहार का आरोप

चमोली : कई वर्षों से जोशीमठ, उर्गम, निजमुला, नंदानगर क्षेत्र से बड़ी संख्या में घोड़ा-खच्चर संचालक केदारनाथ यात्रा मार्ग पर तीर्थयात्रियों को अपनी सेवाएं देते आ रहे। मंगलवार को घोड़ा-खच्चर संचालकों ने बताया उनके साथ सोनप्रयाग और गौरीकुंड में सौतेला व्यवहार हो रहा है। कुछ घोड़ा खच्चर संचालक वापस लौटने लगे हैं। केदारनाथ यात्रा को शुरु हुए 11 दिन से अधिक का समय हो गया है अभी भी चमोली के घोड़ा-खच्चर संचालकों को लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है। घोडा संचालकों ने बताया कि अब जेब का पैसा भी समाप्त हो गया है, जिससे वे अब बैरंग लौटने लगे हैं। घोड़ा-खच्चरों को चना खिलाने तक के लिए पैसे जुटाने मुश्किल हो रहा है। निजमुला घाटी के सैंजी वार्ड से जिला पंचायत प्रतिनिधि भरत सिंह राणा, कमल सिंह पंवार, विरेंद्र सिंह बिष्ट का कहना है कि चमोली के लगभग पांच हजार घोड़े-खच्चर संचालकों की रोजी रोटी का जरिया केदारनाथ यात्रा ही है। (एजेंसी)

पूर्व पीएम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने किया रक्तदान

चमोली : पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला चिकित्सालय में रक्तदान भी किया और जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में मरीजों को फल वितरित किए। मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला, युद्धवीर बर्त्वाल, योगेन्द्र बिष्ट, मनीष नेगी, गोविंद सजवाण, आनंद सिंह पंवार, अरविंद नेगी, उ्रुमा रावत, अनिल कठैत, धीरेन्द्र गरोडिया, गोपाल रावत, अब्बल भंडारी, मनमोहन ओली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रद्धालु की जान बचाई

चमोली : रुद्रनाथ पैदल मार्ग पर बीते दिन पुंग बुग्याल के पास एक यात्री ऋषिकेश निवासी अमित भट्ट का स्वास्थ्य अचानक खराब हो गया। जानकारी मिलने पर थाना गोपेश्वर से होमगार्ड पुष्कर सिंह और नीरज सिंह तत्काल श्रद्धालु की सहायता हेतु रवाना हुए।

बरसात से पूर्व शहर में नाली व नालों की करें बेहतर सफाई

नगर आयुक्त वैभव कुमार ने किया नालियों का निरीक्षण

कोटद्वार में नालियों का निरीक्षण करते नगर आयुक्त वैभव गुप्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बरसात के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति न हो इसके लिए नगर आयुक्त ने सफाई कर्मियों को नाली व नालों की बेहतर सफाई करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि बरसात में नालियां चोक होने से सबसे अधिक जलभराव होता है। उन्होंने नालियों की सफाई के लिए अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को तैनात करने की भी बात कही। मंगलवार को नगर आयुक्त ने पुराना सिद्धबली मार्ग स्थित नाले के साथ ही क्षेत्र की अन्य नालियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में पानी की निकासी के लिए नाली-नालों का साफ होना अति आवश्यक है। ऐसे में निगम के अधिकारी व कर्मचारी नाली-नालों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में विशेष ध्यान दें। कहा कि कई लोग नालियों में घरों की गंदगी व कूड़ा डाल देते हैं। जिससे नाली बार-बार चोक हो जाती है। व्यवस्थाएं बेहतर बनी रहें इसके लिए आमजन को भी नगर निगम का सहयोग करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आमजन से भी गंदगी को सार्वजनिक स्थान पर फेंकने के बजाय कूड़ेदान में डालने की अपील की। कहा कि स्वच्छ व स्वस्थ कोटद्वार निर्माण के लिए हम सभी को सहयोग करना चाहिए। नगर आयुक्त ने व्यापारियों से भी अपना सामान सड़क पर नहीं लगाने की अपील की। कहा कि अतिक्रमण के कारण आमजन को पैदल चलने में परेशानी होती है। साथ ही इससे यातायात व्यवस्था भी बेपटरी होती है।

व्यापार संघ पर लगाया पुराने व्यापारियों की अनदेखी का आरोप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर के पुराने व्यापारियों ने व्यापार संघ पर उनकी अनदेखी का आरोप लगाया है। कहा कि चुनाव से पूर्व सदस्यता अभियान चलाते हुए उन्हें भी व्यापार संघ में शामिल किया जाना चाहिए। मंगलवार को व्यापारी अतुल भट्ट, दिनेश जुयाल व आशीष भटिया ने उपजिलाधिकारी व व्यापार संघ चुनाव अधिकारी को ज्ञापन दिया। बताया कि कोटद्वार शहर में व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यापारियों के हित व उनकी समस्याओं को उठाने के लिए पूर्व में व्यापार संघ बनाया गया था। लेकिन, वर्तमान में कुछ व्यापारियों ने इस पर अपना कब्जा कर लिया है। शहर के पुराने व्यापारियों से किसी भी तरह की राय नहीं ली जाती। कहा कि ऐसे में यदि व्यापार संघ के चुनाव होते हैं तो व्यापारियों को बेहतर नेतृत्व नहीं मिल पाएगा। कहा कि चुनाव से पूर्व व्यापार संघ का सदस्यता अभियान चलाया जाना चाहिए। जिसमें पुराने व्यापारियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

श्रीनगर में रेंजर, दो डिप्टी रेंजर सहित दस लोगों की टीम तैनात

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : श्रीनगर में गुलदार के आंतक से लोग दहशत में है। श्रीनगर में गुलदार को पिंजरे में कैद करने के लिए वन विभाग ने कार्मिकों में इजाफा किया है। वन विभाग की टीम 24 घंटे गुलदार पर नजर बनाएं हुए है। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वपनिल अनिरुद्ध ने बताया कि श्रीनगर में गुलदार को पकड़ने के लिए रेंजर और दो डिप्टी रेंजर सहित दस लोगों की टीम तैनात की गई है। गुलदार पर टीम दिन रात नजर बनाए हुए है। गुलदार को पकड़ने के लिए यहां तीन पिंजरे लगाने के साथ ही ट्रैपिंग कैमरे भी लगाएं गए हैं। गुलदार की चहल कदमी यहां हो रही है। हालांकि, गुलदार अभी तक कैमरों में कैद नहीं हो पाया है। मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने गुलदार को पिंजरे में पकड़ने या फिर ट्रैक्यूलाइज करने के आदेश दिए है। डीएफओ ने कहा कि गुलदार प्रभावित क्षेत्र में लोगों से अपील भी की जा रही है कि आजकल कोई अकेले सुबह शाम बिल्कुल भी न जाए।

चिकित्सालय की ओपीडी में बढ़ी मरीजों की संख्या

श्रीनगर गढ़वाल : पारा चढ़ने और गर्म हवा लोगों की सेहत नासाज करने लगी है। श्रीनगर संयुक्त उपजिला चिकित्सालय की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। इन दिनों अस्पताल में डिहाईड्रेशन, बुखार, आंखों और शरीर के अन्य हिस्सों में एलर्जी संबंधित मरीज पहुंच रहे हैं। सामान्य दिनों के मुकाबले नेत्र रोग विभाग में 80 और बाल रोग विभाग में 50 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सक बढ़ती गर्मी में बाहर के खाने, धूल मिट्टी से बचने की सलाह दे रहे हैं। चिकित्सालय के वरिष्ठ सर्जन डॉ. लोकेश सलूजा ने बताया कि बढ़ती गर्मी से ओपीडी में प्रतिदिन उल्टी, दस्त, खांसी, बुखार वायरल संबंधी मरीज पहुंच रहे हैं, जिसमें चारधाम यात्री भी शामिल हैं। डॉ. सलूजा ने एहतियात के तौर पर एसी, कूलर का प्रयोग कम करते हुए पानी अधिक पीने की सलाह दी। (एजेंसी)

हाईकोर्ट की बेंच गैरसैंण में स्थापित करने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गैरसैंण में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग जोरो से उठने लगी है। नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने हाईकोर्ट की बेंच गैरसैंण में स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करते हुए यहां हाईकोर्ट की बेंच स्थानांतरित की जाए। कहा कि जनता गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करने की मांग कई सालों से करती आ रही है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन पृथक पर्वतीय राज्य की अवधारणा को लेकर शुरू हुआ था, उत्तराखंड के जनमानस में पर्वतीय क्षेत्र गैरसैंण में राजधानी और उच्च न्यायालय की स्थापना किए जाने की आम सहमति भी थी। लेकिन राज्य गठन के बाद सरकारों की ओर से आंदोलनरियों और राज्य की जनता की भावनाओं के साथ छल करते हुए गैरसैंण के बजाय देहरादून को अस्थाई राजधानी घोषित कर दिया। जिससे राज्य के पर्वतीय क्षेत्र बुरी तरीके से उपेक्षित हुए और पर्वतीय क्षेत्र की कृषि, आर्थिकी, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हुई। गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करते हुए यहां हाईकोर्ट की बेंच स्थानांतरित की जाए।

स्टाफ पर लगाया लापरवाही का आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज के टीचिंग बेस हॉस्पिटल में तीन माह की बच्ची के परिजनों ने स्टॉफ पर बच्ची के उपचार में लापरवाही और बदसलूकी का आरोप लगाया। मंगलवार को परिजनों ने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजेय विक्रम सिंह को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में गढ़वाल विवि के पूर्व विश्वविद्यालय प्रतिनिधि अरुण नेगी सहित चन्द्रमोहन चौहान, वींरेंद्र नेगी ने कहा कि बच्ची बीती 13 मई को हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी। बच्ची को 15 मई को डिस्चार्ज भी कर दिया गया। साथ ही डॉक्टर ने परामर्श दिया था कि बच्ची का एमआरआई करवाया जाए। जिसके लिए 20 मई का दिन दिया गया। आरोप लगाया कि तय दिन पर वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने बच्ची को एक बार सुन्न किया, लेकिन वह होश में आ गई। (एजेंसी)

समर कैंप में बच्चों ने दिखाई डांस व म्यूजिक की प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि।

श्री गुरुराम राय पब्लिक स्कूल के समर कैंप में डांस करते बच्चे

कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड में आयोजित समर कैंप के दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने म्यूजिक व डांस के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया। कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए हमें साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

मंगलवार को आयोजित समर कैंप के दूसरे दिन का शुभारंभ श्री गुरु राम राय पैरामेडिकल की डा. शिवी, डा. कुनाल व उनकी टीम ने किया। कैंप में बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उनको फास्टफूड से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले परिणामों के बारे में भी बताया गया। कहा कि हमें स्वच्छ व स्वस्थ समाज निर्माण के लिए सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। समय-समय पर अपने हाथ अवश्य साफ करते रहें। दातों की नियमित सफाई रखें। इस दौरान विद्यार्थियों से जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई।

महिलाओं व युवतियों पर अभद्र टिप्पणी, मनचले की हुई धुनाई

जयन्त प्रतिनिधि।

मनचले युवक को पकड़कर कोतवाली लेकर जाती पुलिस

कोटद्वार : राहचलती महिलाओं व युवतियों पर अभद्र टिप्पणी करने वाले एक मनचले की लोगों ने धुनाई कर दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मनचले को पकड़कर थाने ले गई।

सिताबपुर रोड आर्मी कैंटीन के समीप सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठा एक युवक राह चलती महिलाओं व युवतियों पर अभद्र टिप्पणी कर रहा था। कई महिलाओं ने युवक की इस हरकत का विरोध भी किया। लेकिन, युवक फिर भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। इसी दौरान रास्ते से एक युवती अपने भाई के साथ जा रही थी। युवक ने जब युवती को लेकर अभद्र टिप्पणी की तो उसके भाई ने युवक का विरोध किया। जिसके मनचला युवक क्रोधित हुआ और युवती के भाई पर पत्थर से हमला करने लगा। राह चलते लोगों को जब मनचले युवक की हरकत का पता चला तो उन्होंने उसे पकड़ कर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ लोगों ने युवक का वीडियो बनाया और उसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मनचले युवक को पकड़कर कोतवाली लेकर आई। युवक ने अपना नाम सलमान बताया है।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर करें सख्त कार्यवाही : डीएम

जिलाधिकारी ने ली सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

पौड़ी : सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक एनआईसी कक्ष में जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी व पुलिस विभाग को शराब पीकर वाहन चलाने वालें चालकों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। मंगलवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों व थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत संभावित दुर्घटना स्थलों, क्रैश बेरियर लगाने हेतु सर्वे कर 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। जिससे ऐसे स्थलों पर समय पर कार्य किया जा सकेगा और दुर्घटनाओं पर रोक भी लग सकेगी। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारी को पौड़ी-देवप्रयाग मोटर मार्ग में नियमित रूप से पानी का छिड़काव रेलवे से करवाने को कहा। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को वाहनों की चैकिंग करते हुए शराब पीकर वाहनों का संचालन करने वाले वाहन चालकों पर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही भी करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन क्षेत्रों में पार्किंग बनाई जानी है उसके लिए स्टीमेट तैयार कर प्रस्तुत करें। बैठक में बताया कि माह जनवरी से माह अप्रैल, 2024 में परिवहन विभाग द्वारा 1949 व पुलिस विभाग द्वारा 11683 चालान किये गये। बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह, अधीक्षण अभियंता पीएस बृजवाल, अधिशासी अभियंता लोनिवि दिनेश बिजल्वाण, एआरटीओ एन.के. ओझा सहित समस्त उपजिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी कैंपस के विकास के लिए मार्गदर्शन करें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कॉलेज परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव में साल 1991 से 2019 तक के सभी छात्रसंघ पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। परिसर निदेशक ने पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारियों से कैंपस के विकास के लिए अपने बौद्धिक क्षमताओं से नए पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करने को कहा।

उन्होंने विवि की स्थापना और केंद्रीय विवि बनने तक के घटनाक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने दैंणा हुइयां खोली का गणेसा हे, तेरी वीणा की बन जाऊं मैं तार ऐसा दे मां मुझको वरदान की प्रस्तुति की शानदार प्रस्तुति दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ परिसर निदेशक प्रो. पीपी बडोनी और पूर्व छात्र संघ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

: पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी

कोटद्वार : पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर जिला कांग्रेस कमेटी ने उनके योगदान को याद किया। कहा कि देश हित में दिए गए राजीव गांधी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी हित में राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. गांधी को बहुआयामी प्रतिभा का धनी राजनेता बताया। कहा कि देश के प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने सदैव देश के हित में कार्य किया। देश की तरक्की में दिया गया उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर सूरज प्रसाद कांति, कृष्ण चंद्र खंतवाल, रंजना रावत, सतेंद्र सिंह बिष्ट, विजय नेगी, नईम अहमद, चंद्रमोहन सिंह रावत मौजूद रहे। वहीं, गोखले मार्ग स्थित कार्यालय में महानगर कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया। कहा कि राजीव गांधी भारत की एकता व अखंडता के पक्षधर रहे। उनका देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान रहा। महानगर कांग्रेस कमेटी कार्यकर्ता राजकीय बेस हास्पिटल पहुंचे व मरीजों को फल, ग्लूकोज व जूस वितरित किया। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत, धीरेंद्र बिष्ट, विनीता भारती, सुनील दत्त सेमवाल, धीरजधर बछुवाण, छात्रसंघ अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल, विजय माहेश्वरी मौजूद रहे।

6 जून को होगी यात्रा

नई टिहरी : श्री गुरु माणिक नाथ धाम कोटी की ओर से छह जून को घनसाली में यात्रा का आयोजन होगा।

श्री गुरु माणिक नाथ धाम तीर्थोत्थान समिति के महासचिव सचिन कोटनाला ने बताया कि इस यात्रा में देश-विदेश से कई श्रद्धालु पहुंचेंगे। इस मौके पर समिति के संरक्षक कर्नल रघुवीर सिंह भंडारी, अध्यक्ष विष्णु प्रकाश भट्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम भूलवश आकृति अंकित हो गया है। जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वैदिका है। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम वैदिका अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

कंचन गुसाईं पत्नी श्री नीरज गुसाईं निवासी ग्राम शिवपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।

(0167/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र प्रद्युमन कुमार उम्र 24 वर्ष मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने में नहीं है। मेरे पुत्र प्रद्युमन कुमार का व्यवहार मेरे व मेरे परिवार के प्रति सही नहीं रहता है तथा वह गलत संगत में पड़ गया है, जो नशे का आदी हो चुका है। वह घर में उत्पात मचाकर तोड़फोड़ करता रहता है। उसकी इन हरकतों से मैं तथा मेरा परिवार बहुत परेशान रहता है। उसकी इन हरकतों से तंग आकर मैं अपने पुत्र प्रद्युमन कुमार को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से हमेशा के लिए बेदखल कर दिया है। आज के बाद मेरे उक्त पुत्र का मुझसे तथा मेरे पूरे परिवार से कोई भी सम्बन्ध नहीं रहेगा। मेरा उक्त पुत्र अपने किसी भी अपराध, गलत हरकतों के लिए स्वयं जिम्मेदार रहेगा। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, अपराध, लेन-देन आदि के लिए मैं तथा मेरा पूरा जिम्मेदार नहीं होगा।

सतीश चन्द्र पुत्र स्व0 चिंरजी लाल निवासी वार्ड नंबर 39, झण्डीचौड़ पूर्वी, पट्टी मोटाढांक, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0168/21)

धनराशि नहीं मिलने पर जताया रोष, कोटद्वार में काउंटर खोलने की मांग

ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते पीड़ित लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आश्वासन के बाद भी ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के सदस्यों का पैस नहीं मिलने पर पीड़ितों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों से धनराशि वापस दिलवाने के लिए बकायदा कानून भी बनाया गया है। लेकिन, अब तक उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजते हुए धनराशि को वापस करवाने के लिए कोटद्वार में काउंटर खोलने की मांग की है।मंगलवार को पीड़ित लोग तहसील परिसर में पहुंचे। यहां उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव शास्त्री ने बताया कि वर्षों पूर्व उन्होंने एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में धनराशि जमा करवाई थी। लेकिन, कुछ समय बाद वह कंपनी बंद हो गई। प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों में जमा रकम पीड़ितों को वापस दिलाने के लिए अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी अधिनियम लागू किया गया है। इसके लिए जिला व तहसील स्तर पर भुगतान पटल की स्थापना की जानी है, ताकि एक सक्षम अधिकारी पीड़ितों के आवेदन ले सके। लेकिन, अभी तक पौड़ी जनपद में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं हो पाई है। जबकि उधम सिंह नगर व हरिद्वार में भुगतान पटल स्थापित हो गए है। मुख्यमंत्री से पौड़ी जिले में भी तहसील स्तर पर इस प्रकार के भुगतान पटल खोले जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की है। इस मौके पर गजे सिंह रावत, विजय लक्ष्मी भारती, रीना आर्य, धर्मेंद्र सिंह, इंदु बिष्ट, मुकेश बडथ्वाल, रीता रावत, चंपा राणा, राजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल अभियन्ता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगें। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	29-DRM-24-25 Date 20.05.2024	30-DRM-MB-24-25 Date 20.05.2024
कार्य का नाम	Provision to cover shed over LHS 33, 34 (RAC-SPC) in the section of SSE/W/SPC under ADEN/II/HRI	Provision to cover shed over LHS 37, 29 (ON-BLM) in the section of SSE/W/BLM under ADEN/II/HRI
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	13.06.2024 16:00	13.06.2024 16:00
अनुमानित लागत	1,40,24,859.14	1,40,24,971.72
धरोहर राशि	2,20,100.00	2,20,100.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	30.05.2024	30.05.2024
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	06 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 20.05.2024 1525/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

हायर सेंटर में चल रहा घायलों का उपचार

चमोली : सोमवार देर शाम को तेज हवा से गिरे पेड़ की टहनी की चपेट में आने से घायल बाइक सवार हरगोविंद जोशी का बेस अस्पताल श्रीनगर तथा कमलेश जोशी का एम्स ऋषिकेश में उपचार चल रहा है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य देवपुरी हरेन्द्र कंडारी ने बताया कि बीते दिन माईथान से मेहलचौरी की ओर आ रहे बाइक सवार 19 वर्षीय कमलेश तथा और वर्षीय हरगोविंद जोशी ग्राम लखण, देवपुरी पेड़ की टहनी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पेड़ टूटने की आवाज से रायकोट के ग्रामीण घटना स्थल पर पहुंचे जहां उन्होंने राहत और बचाव का कार्यकर घायलों पर पड़ी पेड़ की टहनी को हटा कर स्थानीय पुलिस की सहायता से सीएचसी गैरसैंण उपचार के लिए भेजा। रायकोट के ग्रामीण शिव सिंह नेगी और टैक्सी चालक वीरेन्द्र नेगी ने बताया कि तेज हवा के कारण पहाड़ी से बड़ा चीड़ का पेड़ टूटने से उसकी टहनी की चपेट में बाइक सवार आ गए। (एजेंसी)

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा लोक सांस्कृतिक नृत्य

चमोली : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर चमोली की बीएड छात्राओं का पांडवाज के गीत राधा पर किया गया लोक सांस्कृतिक नृत्य सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोक संस्कृति के इस लोकप्रिय और प्रसारित वीडियो को अभी तक इंस्टाग्राम पर 4 लाख से अधिक, फेसबुक पर एक लाख से अधिक तथा यूट्यूब पर 20 हजार से अधिक लोग देख चुके हैं। (एजेंसी)

एनएच–74 घोटाले की सीबीआई जांच करें

देहरादून। उत्तराखंड कामगार सेना ने मंगलवार को कचहरी में प्रदर्शन कर एनएच–74 घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की है। आरोप लगाया कि घोटाले के मुख्य आरोपी को उच्चाधिकारियों द्वारा बचाने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ललित श्रीवास्तव ने कहा कि एनएच –74 के मुख्य आरोपी द्वारा ऊधमसिंह नगर जिले में जमीन अधिग्रहण के मुआवजे में सरकार को करोड़ों का चूना लगाया गया। आरोपी ने अपने सेवाकाल में करोड़ों की संपत्ति अपने और अपने परिवार के नाम अर्जित की। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने मुख्य सचिव से भी पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि मामले में विजिलेंस, इनकम टैक्स की कार्यवाही का संज्ञान नहीं लिया गया तो वो न्यायालय की शरण लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा घोटाले के मुख्य आरोपी को क्लीन चिट दिया जाना उत्तराखंड राज्य और यहां के लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। मौके पर सचिन थपलियाल, अधिवक्ता विवेक नैनवाल, अमित पासवान, राजेंद्र पंत, ललित बोरा, विक्रांत, सुनील श्रीवास्तव, अनूप सेमवाल, स्वप्निल पांडे, विशाल चौधरी, कारण शर्मा, आकाश बंसल आदि मौजूद थे।

ईपीएफओ का सात जिलों में निधि आपके द्वार कार्यक्रम

देहरादून। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन(ईपीएफओ) की ओर से निधि आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन देहरादून समेत सात जिलों में किया जा रहा है।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त विश्वजीत सागर ने बताया कि निधि आपके द्वार का आयोजन 27 मई को किया जाएगा। इसमें पीएफ अंशधारकों, पेंशनर्स और नियोक्ताओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। ईपीएफओ कमिश्नर विश्वजीत सागर ने बताया कि यह कार्यक्रम देहरादून जिले में सेलाकुई स्थित मैसर्स हनीवेल एलेक्ट्रिक्लस डिवाइस एवं सिस्टम इंडिया लिमिटेड, हरिद्वार में बहादराबाद मकिनो ऑटोमोटिव, टिहरी गढ़वाल के शिवपुरी स्थित मैक्स इन्फ्रा लिमिटेड, रुद्रप्रयाग में नगर पालिका कार्यालय, चमोली के गौचर स्थित नगर पालिका कार्यालय और उत्तरकाशी के बड़कोट नगर पालिका कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। इसमें अश्रित पेंशन, पेंशनभोगी की मृत्यु होने पर आश्रितों के पेंशन लाभ समेत पेंशन हेल्प डेस्क के माध्यम से समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की टीम भी मौजूद रहेगी, जो कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करेंगी। इस मौके पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन भुगतान के आदेश भी दिए जाएंगे।

श्रद्धालु यात्रा के दौरान जिला प्रशासन का सहयोग करें

यात्रा पड़ावों में यात्रियों के लिए कराई जा रही समुचित व्यवस्थाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : चारधाम यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित व सुरक्षित ढ़ग से संचालित किये जाने को लेकर यात्रियों को जिला प्रशासन द्वारा श्रीनगर में समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही है। यात्रियों के लिए बनाये गये विश्राम गृह एनआईटी व पॉलिटेक्नीक श्रीनगर में जिला प्रशासन द्वारा फूड पैकेट्स व पानी की समुचित व्यवस्था कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे यात्रा के दौरान जिला प्रशासन का सहयोग करें।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशन पर चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा यात्रा रूट श्रीनगर में विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। श्रीनगर के अंतर्गत विश्राम स्थलों पर यात्रियों के लिए विभिन्न विभागों द्वारा फूड पैकेट्स व पानी उपलब्ध कराए जा रहा है। वहीं यात्रियों के लिए विश्राम व पार्किंग की व्यवस्था एनआईटी, पॉलिटेक्निक में की गयी है। इसके अलावा यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यात्रियों के लिए पानी के स्टेशनों पर लगातार पानी की आपूर्ति की जा रही है, ताकि उन्हें यात्रा के दौरान पानी की कमी का सामना न करना पड़े। साथ ही यात्रियों को किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए एनआईटी श्रीनगर में कंट्रोल रूम स्थापित भी किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली ने बताया कि गत दिवस एनआईटी, पॉलिटेक्निक सहित अन्य स्थलों पर विश्राम कर रहे लगभग 300 से ज्यादा यात्रियों को भोजन व पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि निरंतर रूप से पूर्ति विभाग की टीम द्वारा गैस गोदाम व होटलों का निरीक्षण किया जा रहा है।

ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना में बड़ी उपलब्धि

खांकरा से डुंगरीपंथ के बीच पांच किमी. एस्केप टनल का हुआ ब्रेक थ्रो

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : केंद्र सरकार के ड्रीम प्रोजक्ट ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना में अब एक और एस्केप टनल का ब्रेक थ्रो हुआ है। खांकरा से डूंगरीपंथ के बीच पैकेज 7ए में लगभग पांच किमी. की एस्केप टनल का ब्रेक थ्रो हो चुका है। पैकज 7ए पूरी परियोजना में पहला पैकेज जिसकी ऐस्केप टनलों का सबसे पहले ब्रेक थ्रो हुआ।

वरिष्ठ महाप्रबंधक राजेश कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पहाड़ में रेल दौड़ने का सपना जल्द धीरे-धीरे साकार होता जा रहा है। बताया कि 125 किमी. ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना में एक के बाद एक टनल तैयार हो रही है। गत सोमवार को एक और बडी एस्केप टनल का ब्रेक थ्रो किया गया। पैकज-7ए में आरबीएनएल अंतर्गत कार्य कर रही मैक्स एचईएस की टीम में लगभग पांच किमी. की ऐस्केप टनल का ब्रेक थ्रो कर दिया है। आपको बता दें कि ऋषिकेश से कर्णप्रयाग क बीच 9 पैकेज में कार्य चल रहा हैं और पैकज-7ए पर ही सबसे पहले 2.0 किमी. की एस्केप व मेन टनल का ब्रेक थ्रो किया और दूसरी एस्केप जो कि 5.1 किमी. है उसक कल ब्रेक थ्रो हुआ है। पैकेज-7ए पर कार्य कर रही। उन्होंने बताया कि उनके पास 7.096 किमी टनल का निर्माण कार्य, जो बहुत तेजी से चल रहा है। ऐस्केप टनल पूरी ब्रेक थ्रो हो चुकी है और मेन टनल का ब्रेक थ्रो जल्द ही हो जाएगा। वहीं मैक्स इंफ्रा आई प्रा. लि. कंपनी के एच आर राजेंद्र भंडारी ने बताया कि आरबीएनएल, जिला प्रशासन के साथ ही स्थानीय जनता के सहयोग से ही इतनी तेजी से कार्य चल रहा है और पूरा प्रयास किया जा रहा है जल्द से जल्द परियोजना तैयार हो और जनता को इसका लाभ मिले।

महिलाओं ने की लड्डू प्रसाद बनाने की अनुमति देने की मांग

चमोली : पिछले आठ वर्षों से बदरीनाथ मंदिर के निकट चौंलाई के लड्डू प्रसाद को बेचकर अपनी आजीविका कमाने वाली 16 महिलाओं ने बीकेटीसी के सीओ को बदरीनाथ में ज्ञापन देकर उन्हें बेरोजगार करने का आरोप लगाया है। महिलाओं ने कहा कि समिति के एक सदस्य ने इस कार्य में लगी महिलाओं को बेरोजगार कर दिया है। अब वह सदस्य स्वयं मंदिर परिक्रमा परिसर में स्टाल लगाकर चौंलाई लड्डू बेच रहा है। बता दें कि 8 वर्ष पूर्व बीकेटीसी ने जोशीमठ नृसिंह मंदिर में एक गोदाम कुछ महिलाओं को चौंलाई लड्डू प्रसाद बनाने के लिए दिया था। महिलाओं के अथक प्रयास से धीरे-धीरे चौंलाई लड्डू का प्रसाद बदरीनाथ में हाथों हाथ लिया जाने लगा। जिससे महिलाओं को अच्छी आमद होने लगी। पिंकी देवी, बिंदु भट्ट, नेहा बिष्ट और मुन्नी भट्ट कहती हैं कि मंदिर समिति के एक सदस्य की नजर काफी पहले से उनके रोजगार पर थी क्योंकि इससे महिलाओं को अच्छी आमद हो रही थी। महिलाओं का आरोप है कि उस सदस्य की मिलीभगत से बीकेटीसी ने महिलाओं को अब मंदिर परिसर में लड्डू बनाने और बेचने पर पाबंदी लगा दी है।

बड़ी संख्या में यात्रियों के आने से यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी

नई टिहरी : बदरीनाथ-केदारनाथ के कपाट खुलते ही हर दिन सैकड़ों वाहनों के से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है।

धामों में यात्रियों और वाहनों का दबाव बढ़ गया है। ऋषिकेश से 70 किमी दूर देवप्रयाग में सोमवार शाम से श्रीनगर और ऋषिकेश की ओर से आ रहे वाहनों को पुलिस ने रोकना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी महिपाल सिंह रावत के अनुसार श्रीनगर, रुद्रप्रयाग आदि में बड़ी संख्या में यात्री वाहनों के पहुंचने से बनी जाम की स्थिति बन गई। इस कारण देवप्रयाग और तीन धारा में वाहनों को रोकना पड़ा। यहां करीब चार घंटे तक वाहन रोके गए। एंबुलेंस और नियमित लोकल बस सेवाएं भी जाम में फंस गई। (एजेंसी)

विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण की वजह से लंबित न रहे : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से वन भूमि हस्तांतरण मामलों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि आपस में समन्वय बनाकर वन भूमि के लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाए। ताकि कोई भी सड़क एवं विकास कार्य वन भूमि हस्तांतरण के कारण लंबित न रहे। बैठक में पेयजल निगम गोपेश्वर और कर्णप्रयाग के अधिशासी अभियंता के उपस्थित न रहने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं लंबित प्रकरणों की पूरी जानकारी न होने पर जिलाधिकारी ने लोनिवि थराली के अधिशासी अभियंता के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही हिदायत दी की वन भूमि हस्तांरण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वन भूमि हस्तांतरण के जो प्रस्ताव शासन, नोडल एवं भारत सरकार स्तर पर लंबित हैं, उनका विभागीय अधिकारी नियमित फॉलोअप करें। जिन प्रस्तावों में आपत्तियां दर्ज की गई है, उनका त्वरित निराकरण किया जाए। समरेखण विवाद वाले मामलों को सुलझाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ वार्ता करें। क्षतिपूरक भूमि की आवश्यकता वाले प्रकरणों में भूमि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि वन, लोनिवि व अन्य सड़क निर्माण संस्थाएं आपसी समन्वय से सड़कों का निर्माण और अन्य विकास कार्यों को जनहित में तेजी से काम पूरा करें। इस दौरान सभी डिविजनों में लंबित मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस मौके बताया गया कि लोक निर्माण विभाग, शिक्षा, पेयजल निगम, जल संस्थान और पीएमजीएसवाई के वन भूमि हस्तांतरण संबंधी कुल 76 प्रस्तावों प्रक्रिया में है। जिसमें से 56 मामले प्रस्तावक विभाग, 04 वन संरक्षक, 13 नोडल स्तर और एक-एक मामला प्रभाग स्तर, तहसील स्तर एवं भारत सरकार के स्तर पर प्रक्रिया में है। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, एसडीओ जुगल किशोर, ईई लोनिवि आरएस चौहान, ईई जल संस्थान एसके श्रीवास्तव सहित वन, लोनिवि व पीएमजीएसवाई के सभी डिविजनों अधिशासी अभियंता वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

तीर्थ यात्रियों से ओवर रेटिंग न हो : डॉ. कुमार

सचिव स्वास्थ्य/प्रभारी सचिव यात्रा सिरोहबगड़ से लेकर सोनप्रयाग तक यातायात व्यवस्थाओं लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : सचिव स्वास्थ्य एवं प्रभारी सचिव यात्रा डॉ. आर राजेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि चारधाम में जो भी श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के लिए मुख्यमंत्री निरंतर प्रयासरत हैं ताकि आने वाले श्रद्धालुओं की चारधाम यात्रा सुगम एवं मंगलमय हो तथा वह अपने साथ उत्तराखंड से सुखद अनुभव लेकर जाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गणेश तिवारी, कनिष्ठ प्रमुख ऊखीमठ शैलेंद्र सिंह कोटवाल, हरीश रावत एवं भूपेंद्र सिंह कोटवाल ने सचिव स्वास्थ्य एवं प्रभारी सचिव से मुलाकात कर यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ करने लिए ज्ञापन दिया। सचिव स्वास्थ्य एवं प्रभारी सचिव यात्रा ने सिरोहबगड़ से सोनप्रयाग तक विभिन्न यात्रा पड़ावों का सड़क मार्ग से निरीक्षण करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग को निर्देश दिए हैं कि जो क्षेत्र स्लाडिंग जोन हैं उनमें जेसीबी मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा यात्रा मार्ग बाधित होने पर उसे तत्काल आवाजाही हेतु सुचारू किया जा सके। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था के लिए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पार्किंग का उचित प्रबंधन किया गया है किंतु भारी संख्या में श्रद्धालुओं के निरंतर आने के कारण जगह-जगह स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है इसके लिए उन्होंने केदारनाथ

यात्रा पड़ाव सीतापुर, सोनप्रयाग आदि स्थानों में पार्किंग फुल होने पर यातायात को पीछे ही रोका जाए ताकि जाम की स्थिति न होने पाए। उन्होंने अभिहीत अधिकारी खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिए हैं कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों से ओवर रेटिंग न हो इसके लिए सभी दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट व ढाबों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा किया जाए। इसके साथ ही खाद्य सामग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही निरंतर चैकिंग की जाए। उन्होंने यात्रा मार्ग में संचालित हो रहे घोड़े–खच्चरों की विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन को निर्देश दिए हैं कि किसी भी घोड़े-खच्चर के साथ किसी भी प्रकार से कोई पशु-क्रूरता न हो तथा किसी भी दशा में घोड़े-खच्चरों से डबल चक्कर न लगाए जाएं। इस पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए तथा जो भी शौचालय एवं यात्रा मार्ग में नियमित सफाई व्यवस्था होती रहे जिससे कि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य डॉ. अमित शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मार्तोलिया, उपायुक्त खाद्य गढ़वाल आरएस रावत, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चैबे, अभिहीत अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों पर खर्च में आगे बढ़ा उत्तराखंड

देहरादून। बजट और राज्य में विकास कार्यों पर खर्च ने रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया। पिछले दो साल में राज्य ने बजट उपयोग में चार हजार करोड़ रुपये की बढोत्तरी की है। जबकि विकास कार्यों के लिए तय पूंजीगत मद में सरकार विभिन्न परियोजनाओं और निर्माण कार्यों में 2787 करोड़ रुपये अधिक खर्च कर पाई है। मंगलवार को वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में यह तस्वीर सामने आई। इस साल भी राज्य का राजस्व सरप्लस स्थिति में है। जीएसटी में करीब 13 प्रतिशत वृद्धि का आंकलन किया गया है। बैठक में बजट अधिकारी मनमोहन मैनाली ने बिंदूवार विभिन्न मदों का ब्योरा और प्रगति रिपोर्ट को रखा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022–23 में राज्य का कुल बजट खर्च 56 हजार करोड़ रुपये था। जो कि वर्ष 2023–24 में बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2022–23 के 8195 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के मुकाबले वर्ष 2023–24 में 18 हजार 982 रुपये खर्च किए गए। अधिकारियों ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में बजट के अनुमान का अभी तक लगभग 11 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति हो चुकी है। यह वृद्धि मुख्य रूप से एसजीएसटी, वैट, स्टांप, आबकारी आदि विभाग में है। वित्त मंत्री ने वर्ष 2023–24 में किए गए नए प्रयोगों के लिए अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने नॉन टैक्स में वृद्धि की संभावना तथा विभाग को केंद्र पोषित योजना की विशेष समीक्षा करने के निर्देश दिए। केंद्रीय योजनाओं में उपयोगिता प्रमाणपत्र को तय समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

नन्दानगर सीएचसी में हुई जन्म प्रतिक्षा गृह/वर्थ वेटिंग होम की स्थापना

चमोली : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नन्दानगर में जन्म प्रतिक्षा गृह/वर्थ वेटिंग होम की स्थापना की गई। राष्ट्रीय मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, दूरदराज क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि से पूर्व जन्म प्रतिक्षा गृह/वर्थ वेटिंग होम की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद चमोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदा नगर में जन्म प्रतीक्षा गृह स्थाापित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव शर्मा ने बताया कि बर्थ वेंटिंग होम बनाने का उददेश्य समय पर सुरक्षित प्रसव एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाना है। कहा कि कतिपय महिलाएं ठीक प्रसव पीड़ा के दौरान चिकित्सालय का रुख करती हैं।

जिससे रास्ते में प्रसव की संभावना के साथ साथ जच्चा बच्चा को खतरा बना रहता है। उन्होंने विकासखण्ड नन्दानगर की जनता से अपील करते हुए कहा कि वो गर्भवती महिला को प्रसव तिथि से 08 से 10 दिन पूर्व चिकित्सालय में भर्ती करवाएं, ताकि उनकी समस्त जाँचे की जा सके और उनका सुरक्षित संस्थागत प्रसव किया जा सके। बताया कि जन्म प्रतीक्षा गृह में गर्भवती को खाने-पीने और ठहरने की उचि व्यवस्था की गयी है। (एजेंसी)

निजी स्कूल पर शोषण का आरोप

देहरादून। एक निजी स्कूल पर शोषण का आरोप लगाते हुए भाजयुमो ने मंगलवार को सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ के नाम एक ज्ञापन भी दिया। भाजयुमो महानगर अध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट ने आरोप लगाया कि राजपुर क्षेत्र में स्थित एक स्कूल खुद को दो–दो बोर्ड से मान्यता प्राप्त बताता है।

इस स्कूल में अभिभावकों को 5 लाख फीस बताई जाती है फिर फीस में भारी छूट का लालच देकर अभिभावकों को गुमराह किया जाता है। ज्यादातर इस विद्यालय में बाहरी शहर के बच्चे दाखिला लेते हैं। आरोप है कि अभिभावकों को फंसाने के लिए रजिस्ट्रेशन के नाम पर मोटी रकम ले लेते हैं। लेकिन बाद में दाखिला ना लेने पर ये रकम भी वापस नहीं होती। उन्होंने इस स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कंपनी से भुगतान दिलाने की लगाई गुहार

नई टिहरी : आल वेदर सड़क निर्माण के दौरान एनएच-94 पर काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों और वेंडरों का भुगतान एक कंपनी ने नहीं किया। मंगलवार को स्थानीय लोगों ने छाम थाने और तहसीलदार से शिकायत कर भुगतान दिलाने की मांग की। थानाध्यक्ष छाम और तहसीलदार कंडीसौड़ को ज्ञापन सौंपते हुए शिकायत की कि एक कंपनी जो आल वेदर रोड पर काम कर रही थी। लगभग चार माह से काम ठप्प करते हुए स्थानीय वेंडरों, सब कांट्रेक्टरों और कर्मचारियों का भुगतान एक साल से नहीं दिया है। कंपनी के कार्यालय में कोई नहीं बैठता है। (एजेंसी)

कांग्रेस ने देश को घोटालों के अलावा कुछ नही दिया : महाराज

भिवानी की चुनावी रैली में बोले महाराज देश के लिए जरुरी है मोदी का शक्तिशाली नेतृत्व

देहरादून/सोनीपत (हरियाणा) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 10 साल की कड़ी मेहनत ने एक सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव रखी है, जिस पर आने वाले वर्षों में विकास की ऊंची इमारत खड़ी होगी। आयुष्मान भारत, डिजिटल इंडिया, दीनदयाल अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्वला योजना, हर घर नल योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना, ग्रामोदय से भारत उदय, सेतु भारतम् योजना, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और आर्थिक समानता जैसी कई ऐसी अनगिनत योजनाएं हैं जो सुराज और सुरक्षा के साथ साथ देश के विकास में मिल का पत्थर साबित हो रही हैं। जबकि कांग्रेस ने अपने 60 वर्षों के शासनकाल में देश को भ्रष्टाचार, घोटाले, अराजकता, अलगाववाद, आतंकवाद, असमानता के अलावा कुछ नहीं दिया।उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक सतपाल महाराज ने मंगलवार को हरियाणा के भिवानी में बिट्स कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी धर्मबीर सिंह के समर्थन में आयोजित विशाल चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक और भौतिक रूप से लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्य योजना के

तहत 81.35 करोड़ लोगों को जहां एक ओर मोदी सरकार द्वारा हर महीने 5 किलो मुक्त राशन दिया जा रहा है। वहीं उज्वला योजना से देश की 10.35 करोड़ महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। हमने सस्ता गैस सिलेंडर घर-घर तक पहुंचाने के बाद अब संकल्प लिया है कि पाइपलाइन के माध्यम से सस्ती रसोई गैस भी घर-घर पहुंचाएंगे। श्री महाराज ने कहा कि कांग्रेस के कमजोर और दिशाहीन नेतृत्व के कारण जहां देश को हर मोर्चे पर असफलता मिली और विकास के मामले में भी हम दशकों पीछे खड़े रहे। वहीं मोदी सरकार ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के और जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35-ए को समाप्त कर विश्व को एक शक्तिशाली लीडर होने का एहसास करवाया। मोदी की नीतियों के कारण आज विश्व मंच पर भारत की ताकत में कई गुना वृद्धि हुई है।

अब किसी की हिम्मत नहीं है कि वहां भारत की ओर आंख उठा कर देख सके। उन्होंने कहा कि अपने वैश्विक कद और नेतृत्व के कारण प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ–साथ दुनिया भर के प्रभावशाली हस्तियों से प्रशंसा प्राप्त की है। टेक दिग्गज एलोन मस्क से लेकर प्रसिद्ध निवेशक रे डेलियो और साथ ही उल्लेखनीय अमेरिकी सीनेटरों तक ने पीएम मोदी की व्यापक प्रशंसा की है। आम व्यक्ति के जीवन में शासकीय योजनाओं के माध्यम से कैसे परिवर्तन किया जा सकता है। इसे मोदी ने कर दिखाया है। स्वच्छता को एक विजन बनाते हुए पूरे देश में स्वच्छता के लिए एक अलख जगाई है। गरीबों को उनका पूरा पैसा डीबीटी के जरिए मिल रहा है। अब कोई बिचैलियां बीच में उनका पैसा नहीं ले पा रहा है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी जनता से ऐसे वादे कर रही है जो वह 60 साल में नहीं कर सकी, जबकि उसके पास सब कुछ करने की खुली छूट थी। उन्होंने कहा कि अगर वे 60 वर्षों में ऐसा नहीं कर सके, तो कोई उन पर फिर से ऐसा करने का भरोसा कैसे कर सकता है, खासकर जब हर कोई जानता है कि फिलहाल उनकी दूर दूर तक सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com